



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

9 आषाढ 1938 (श०)

(सं० पटना 535) पटना, बृहस्पतिवार, 30 जून 2016

गृह विभाग

प्रपत्र सं०-1

(बिहार विशेष न्यायालय अधिनियम, 2009 की धारा 5 एवं बिहार विशेष न्यायालय नियमावली, 2010 के नियम 7 के अधीन)

घोषणा

28 जून 2016

सं०बी०/आ०अ०ई०-04/2016-6204—चूंकि यह अभिकथित किया गया है कि श्री भरत पूर्वे, पिता-स्व० जयवीर पूर्वे, ग्राम-मोहन बहेड़ा, थाना-बहेड़ा, जिला-दरभंगा, वर्तमान पता-प्लैट नं०-03, एस०एफ०ए०, बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी, भूतनाथ रोड, थाना-अगमकुआँ, जिला-पटना ने बिहार राज्य में सिंचाई विभाग (सम्प्रति जल संसाधन विभाग) के अन्तर्गत तिरहुत नहर अंचल, मुजफ्फरपुर में अधीक्षण अभियन्ता (सम्प्रति सेवानिवृत्त) का पद धारण करते हुए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13 की उप धारा (1) के खंड (इ) के अधीन अपराध किया और मामले की जांच आर्थिक अपराध थाना कांड सं०-36/13, दिनांक 13.08.2013 धारा 13 (2) सह पठित धारा 13(1)(इ) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 में की गई है;

और चूंकि अभिलेख में उपलब्ध सुसंगत सामग्री की छानबीन करने पर राज्य सरकार की राय है कि श्री भरत पूर्वे, पिता-स्व० जयवीर पूर्वे, ग्राम-मोहन बहेड़ा, थाना-बहेड़ा, जिला-दरभंगा, अधीक्षण अभियन्ता, तिरहुत नहर अंचल, मुजफ्फरपुर, सिंचाई विभाग, बिहार सरकार (सम्प्रति सेवानिवृत्त) जिसने भ्रष्ट साधनों का सहारा लेकर अपने आय के ज्ञात स्रोत से अननुपातिक संपत्ति संचित किया है, पर प्रथम दृष्टया केस बनता है;

और चूंकि सरकार को यह आवश्यक और समीचीन प्रतीत होता है कि उक्त अपराधी पर विशेष न्यायालय अधिनियम, 2009 (बिहार अधिनियम 5, 2010) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन स्थापित विशेष न्यायालय द्वारा विचारण किया जाए;

इसलिए, अब विशेष न्यायालय अधिनियम, 2009 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार एतद् द्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अपराध का निपटारा विशेष न्यायालय अधिनियम, 2009 के अधीन किया जाएगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
आमिर सुबहानी,  
सरकार के प्रधान सचिव।

## HOME DEPARTMENT

## FORM No. 1

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act, 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules, 2010)

## DECLARATION

28th June 2016

No. बी०/आ०अ०ई०-०४/२०१६-६२०४—WHEREAS, It was alleged that **SHRI BHARAT PURVE, S/O- Jaiveer Purve, Vill- Mohan Bahera, P.S.-Bahera, Dist-Darbhanga, A/P-Flat No.- 3SFA-1/37, Bahadurpur Housing Colony, Bhootnath Road, P.S.-Agamkuan, Distt-Patna**, while holding the post of the **Superintending Engineer (now Retd.), Tirhut Canal Zone, Muzaffarpur, Department of Water Resources, Govt. Of Bihar** and serving in different capacities under Government of Bihar committed an offence under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter was investigated in Economic Offences Unit P.S. Case No. **36/2013**, dated. **13.08.2013** under section 13(1)(e) read with sec. 13(2) of Prevention of Corruption Act, 1988,

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of Commission of above mentioned offence by **SHRI BHARAT PURVE, S/O Jaiveer Purve, Vill- Mohan Bahera, P.S.-Bahera, Dist-Darbhanga, Superintending Engineer (now Retd.), Tirhut Canal Zone, Muzaffarpur, Department of Water Resources, Govt. Of Bihar** who has accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means;

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offender should be tried by the Special Court established under sub-section (1) of Section 3 of Bihar Special Courts Act, 2009 (Bihar Act 5 of 2010);

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Bihar Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence shall be dealt with under the Bihar Special Courts Act, 2009..

By order of the Governor of Bihar,  
AMIR SUBHANI,  
Principal Secretary to the Government.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 535-571+100-डी०टी०पी०।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>